भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1225
उत्तर देने की तारीख 27.07.2026

ज्ञान भारतम मिशन और पाण्डुलिपियों का डिजिटलीकरण

1225. श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी :
श्री राधेश्याम राठिया :
श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत :
श्री शशांक मणि :
डॉ. संजय जायसवाल :
श्री अभिमन्यु सेठी :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में नव-संरचित ज्ञान भारतम मिशन ढांचे के तहत प्राचीन लिपियों के सर्वेक्षण और भौतिक पंजीकरण के लिए निर्धारित लक्ष्य का जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने 18 करोड़ नव-डिजिटलीकृत पाण्डुलिपि पृष्ठों को संसाधित करने के लिए अपने पोर्टल पर उन्नत ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन (ओसीआर) प्रौद्योगिकी को एकीकृत किया है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार, दुर्लभ धार्मिक पाण्डुलिपियों तक आम जनता को अनुसंधान के लिए खुली पहुंच प्रदान करते समय प्रतिलिपि-स्वामित्व (कॉपी-ओनरशिप) और बौद्धिक संपदा संबंधी चुनौतियों का समाधान किस प्रकार करेगी?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): ज्ञान भारतम मिशन के अंतर्गत, विविध भाषाओं और लिपियों का प्रतिनिधित्व करने वाले पांडुलिपि स्वामित्व, रिपोजिटरी और संरक्षकों की पहचान तथा प्रलेखन करने के लिए देश के सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण शुरू किया गया था। तथापि, मिशन के

अंतर्गत पांडुलिपियों के सर्वेक्षण और भौतिक पंजीकरण के लिए कोई जिला-वार लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया था। सर्वेक्षण के दौरान 1.19 करोड़ से अधिक पांडुलिपियों की सूचना मिली है।

(ख) और (ग): ज्ञान भारतम वेब पोर्टल भारत की पांडुलिपि विरासत तक बुद्धिमतापूर्ण पहुंच प्रदान करने के लिए लार्ज लैंग्वेज स्क्रिप्ट मॉडल्स (एलएलएसएम), ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन (ओसीआर), हस्तलिखित पाठ पहचान (एचटीआर), लिपि पहचान, सिमेंटिक सर्च और मशीन-असिस्टेड अनुवाद सहित आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई)-सक्षम तकनीकों का उपयोग करता है।

ज्ञान भारतम वेब पोर्टल का एआई-संचालित ज्ञान इंटरफ़ेस, ज्ञान मित्रम पांडुलिपि छवियों, प्रतिलेखनों (ट्रांसक्रिप्शन) और अनुवादों को एकीकृत करके पांडुलिपियों की बुद्धिमतापूर्ण व्याख्या, संदर्भीकरण और अन्वेषण को सक्षम बनाने के लिए एलएलएसएम, ओसीआर, एचटीआर, लिपि पहचान, भावार्थपूर्ण खोज और मशीन-असिस्टेड अनुवाद का उपयोग करता है।

भारतीयजीपीटी, ज्ञान भारतम वेब पोर्टल पर "पांडुलिपि-से-संवादात्मक एआई" की सुविधा प्रदान करता है, जो पांडुलिपि विरासत को एआई-तैयार, मशीन-पठनीय ज्ञान में परिवर्तित करता है और इसके "टॉक टू मैनुस्क्रिप्ट" विशेषता के माध्यम से पाठ, ऑडियो और आवाज-आधारित संवाद सहित एक बहुभाषी और बहु-विषयक पहुंच प्रदान करता है, जिससे भारत की ज्ञान परंपराएं विद्वानों, छात्रों, शोधकर्ताओं और जनता के लिए अधिक सुलभ हो जाती हैं।

पांडुलिपि दर्पण ज्ञान भारतम वेब पोर्टल पर एक एआई-संचालित टूल है जो उपयोगकर्ताओं को एक डिजिटल पांडुलिपि छवि अपलोड करने या चयन करने और एआई-सहायता प्राप्त लिपि पहचान, लिप्यंतरण और अनुवाद तक पहुंचने में सक्षम बनाता है।

(घ): पांडुलिपि की डिजिटल प्रतियों तक पहुंच लागू कानूनों और संरक्षकों तथा अधिकार धारकों के अधिकारों के अनुसार सुगम बनाई जाती है। जहां कहीं भी कानूनी रूप से अनुमेय हो, पांडुलिपियां और संबंधित मेटाडेटा राष्ट्रीय डिजिटल भंडार (एनडीआर) के माध्यम से सार्वजनिक और विद्वत्तापूर्ण अनुसंधान के लिए उपलब्ध कराए जा सकते हैं, जबकि संवेदनशील, प्रतिबंधित या अधिकार-संरक्षित सामग्रियां उचित पहुंच शर्तों के अधीन हो सकती हैं।

******